16/4/18 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Scanned by CamScanner

(1)

पत्रा सिकी

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कोटकासिम (अलवर)

पदासीन अधिकारी श्री विश्वामित्र मीना आर0ए0एस0

मु.नं.	दायरा दिनांक	निर्णय दिनांक
133/17	01.09.2017	16.04.2018

अनुवादी

1. मोहनलाल पुत्र मूला जाति अहीरान निवासी जौडिया तहसील कोटकासिम जिला अलवर राज0

बनाम

1. राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारी अधिकारी (लैण्ड होल्डर) तहसीलदार कोटकासिम तह0 कोटकासिम जिला अलवर राज0
2. श्रीमान उप पंजियक महोदय कोटकासिम(अलवर) राज0
3. जगराम पुत्र मूला जाति अहीर निवासी जौडिया तहसील कोटकासिम
4. शांति
5. सरवन पुत्रीयान मूला
6. हंसराज
7. शिवराज पुत्रान रोहताश
8. ऊषा पुत्री रोहताश
9. गुड्डी पत्नि छोटेलाल
10. वीरेन्द्र
11. टेकचन्द
12. विजेन्द्र पुत्रान छोटेलाल
13. सरोज
14. संजू
15. मीनू पुत्रीयान छोटेलाल
16. नरपाल पुत्र प्रहलाद
17. मिश्रीदेवी पत्नि प्रहलाद जाति अहीरान निवासीयान जौडिया तहसील कोटकासिम
18. महावीर
19. किरोडी
20. देवेन्द्र
21. गोपीचन्द पुत्रान शीशराम
22. मूर्ति
23. शारदा
24. राज पुत्रीयान शीशराम जाति अहीर निवासी फदनी तहसील व जिला रेवाड़ी हरि0.
25. राजेन्द्र
26. अमरपाल पुत्रान मोहनराम
27. गीता
28. मन्जू पुत्रीयान मोहनराम जाति अहीरान निवासी राजपोकी तहसील तिजारा जिला अलवर

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

Scanned by CamScanner

29. सिंडीकेट बैंक शाखा टपूकड़ा जरिये शाखा प्रबंधक टपूकड़ा तहसील तिजारा जिला अलवर

—प्रतिवादीगण

30. रमन सिंह पुत्र कालिया उर्फ शीशराम
31. बिमलादेवी
32. संतोष
33. रामरती
34. रिसाल
35. सांवत पुत्रीयांन कालिया उर्फ शीशराम
36. मनोज पुत्र चन्द्रभान
37. सुमन पुत्री चन्द्रभान जाति अहीर निवासी राजधोकी तहसील तिजारा जिला अलवर राज0

—फोरमल पक्षकार

दावा इश्तकरार हक मय दुरूस्ती इन्द्राज मय
बमय हुक्मईम्तनाईदवामी अन्तर्गत धारा
88,89,व 188 राज0 काश्तकारी अधिनियम सन 1955

अतः वादी का वाद इस कदर डिक्री किया जाता है की विवादित आराजी हाल ख0न0 301/1.16 बीघा वाके ग्राम तुर्कवास तहसील कोटकासिम की जमाबन्दी सम्वत 2071—74 मे दर्ज प्रविष्टी को हजफ कर उसके स्थान पर वादी को 7/27 भाग प्रतिवादी संख्या 03 को 13/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 4 व 5 को 2/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 6 लगायत 9 को 13/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 10 लगायत—15 को 13/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 16 व 17 को 13/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 18 लगायत 24 को 13/108 भाग, प्रतिवादी संख्या 25 लगायत 28 को 13/108 भाग व फोरमल पक्षकार संख्या 30 लगायत 37 को 1/6 भाग का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद हो।

निर्णय आज दिनांक 16.04.2018 को टंकित किया जाकर सरे इजलास सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी राज0
कोटकासिम (अलवर)

संशोधन

27/5/18 वादी के अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पत्रावली पेश हुई। इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 16.4.18 में प्रतिवादी सं. 3 को 13/108 भाग, 6 लगा. 9 को 13/108 भाग, 10 लगा. 15 को 13/108 भाग, 16 व 17 को 13/108 भाग, 18 लगा. 24 को 13/108 भाग, 25 लगा. 28 को 13/108 भाग का खातेदार घोषित किया गया था। उसके स्थान पर सभी 13/108 भाग के स्थान पर 10/108 भाग पढ़ा जावे।

Scanned by CamScanner

संशोधित

10.5.18 वादी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि अभ्यर्थी सं. 14 पर संख्या गलत है। उसके स्थान पर संख्या ठीक संशोधित किया जावे तथा अभ्यर्थी सं. 15 पर नाम गलत है। उसके स्थान पर नाम ठीक [illegible] लिखा जावे। (स्वीकृत) संशोधन किया जाता है।

[illegible]

न्यायालय उप खण्ड अधिकारी कोटकासिम जिला अलवर (राज०)
पीठासीन अधिकारी - श्री शिवपाल सिंह मीणा R.A.S

प्र.सं.	दायरा दिनांक	निर्णय दिनांक
133/17	1-9-2017	16/04/2018

उनवान

[1] मोहनलाल पुत्र सुखा जाति अहीर निवासी ग्राम जौडिया तहसील कोटकासिम जिला अलवर (राज०)

-वादी

बनाम

[1] राजस्थान सरकार जरिये [illegible] (कोटकासिम) तहसीलदार साहब कोटकासिम जिला अलवर (राज०)
[2] श्रीमान उप पंजीयक महोदय कोटकासिम जिला अलवर (राज०)
[3] जयराम पुत्र सुखा
[4] शान्ति
[5] सरवन पुत्रीयान सुखा
[6] हंसकला
[7] सिंहस्पत पुत्रांन रोहतास
[8] ऊषा पुत्री रोहतास
[9] गुड्डी पत्नि रोहताश
[10] वीरेन्द्र
[11] हेमचन्द
[12] विजेन्द्र पुत्रांन होतेलाल
[13] सरोज
[14] संजू
[15] मीनू पुत्रीयान होतेलाल
[16] नरपाल पुत्र प्रहलाद
[17] जिन्कोदी पत्नि प्रहलाद जाति अहीरान निवासीयान जौडिया तहसील कोटकासिम जिला अलवर (राज०)
[18] मसरीफ
[19] जिन्कोदी
[20] देवेन्द्र
[21] ज्योतिचन्द पुत्रांन रामेश्वर

- प्रतिवादी

उपखण्ड अधिकारी कोटकासिम (अलवर)

Scanned by CamScanner

[22] [illegible]

[23] [illegible]

[24] [illegible] जाति [illegible] निवासी [illegible]
[illegible] (राज.)

[25] [illegible]

[26] [illegible]

[27] [illegible]

[28] [illegible] जाति [illegible] निवासी [illegible]
तहसील [illegible] जिला अलवर (राज.)

[29] [illegible]
तहसील [illegible] जिला अलवर (राज.)

— [illegible]

[30] [illegible]

[31] [illegible]

[32] [illegible]

[33] [illegible]

[34] [illegible]

[35] [illegible]

[36] [illegible]

[37] [illegible] पुत्री [illegible] जाति [illegible] निवासी [illegible] तहसील
[illegible] जिला अलवर (राज.)

— [illegible]

[illegible]
[illegible] 1955

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

प्रतिलिपि :-

[1] श्री [illegible]

[2] [illegible]

— [illegible] —

Scanned by CamScanner

वादी ने मय अभिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर इस वाद इस आशय का पेश किया कि विवादित आराजी खसरा नं. 301 रकबा 1 बीघा 16 बिस्वा वाके ग्राम तुर्कियाब तहसील कोटकासिम में जमाबन्दी संवत 2029 में मिन वादी व प्रतिवादी सं- 3 लगा. 5 के पिताजी व प्रतिवादी सं. 6 लगा. 28 के ससुर व दादाजी श्री मूला पुत्र पूरणा जाति कहीर निवासी ग्राम गोंठिया का 5/6 भाग खातेदारी कब्जा काश्त दर्ज है व 1/6 हिस्सा काशीराम पुत्र मंगतुराम के नाम खातेदारी कब्जा कब्जा काश्त दर्ज है। मूला पुत्र पूरणा फौत हो चुका है। जिसके विधिक वारिसान लायला मिन वादी व प्रतिवादी सं. 3 लगा. 28 है। मूला पुत्र पुत्र पूरणा के 10 वारिसान सुखदेई [illegible] मूला, मिन वादी मोहनलाल प्रतिवादी सं. 3 लगा. 5 व रोहताश, धरमपाल, निर्मो, प्रभात, छोटेलाल रहे इस तरह विवादित आराजी में मूला के 5/6 हिस्से में से कुल 10 वारिसानों के प्रत्येक का 1/12 हिस्सा हुआ। इसी प्रकार मूला के वारिसान काबिज काश्त है। प्रतिवादिया सं. 4 शांति ने विवादित आराजी में अपना 1/12 भाग व प्रतिवादिया सं. 5 सरवन ने अपना 1/12 भाग का हक त्याग (रिलीजडीड) मिन वादी के पक्ष में जरिये रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 28.5.2009 को कर दिया। अब इस तरह विवादित आराजी में मिन वादी का 1/12, 1/12, 1/12 हिस्सा यानि कुल 3/12 हिस्सा हो गया। इस रिलीजडीड का इन्तकाल सं. 308 मिन वादी के पक्ष में स्वीकार हुआ। परन्तु प्रतिवादी सं. 1 व उनके अधिनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उसका अमल मिन वादी के नाम जमाबन्दी में नहीं हुआ। मूला की पत्नि सुखदेई यानि मिन वादी की माताजी का देहान्त हो गया। सुखदेई का विवादित आराजी में 1/12 भाग था। सुखदेई पत्नि मूला के विधिक वारिसान मिन वादी व प्रतिवादी सं. 3 लगा. 28 हो गये। जिनका इन्तकाल सं. 508 मिन वादी व प्रतिवादी सं. 3 लगा. 28 के पक्ष में दर्ज व स्वीकार किया गया। जिसका अमल राजस्व रिकार्ड में आ गया। सुखदेई के फौत हो जाने पर सुखदेई का 1/12 हिस्सा मूला के उपरोक्त 9 वारिसानों में बट जाने से प्रत्येक वारिसानों को 1/108 हिस्सा विरासत में प्राप्त हुआ। अब इस तरह वादी का हिस्सा 3/12 व 1/108 कुल 7/27 हिस्सा विवादित आराजी में हुआ और मिन वादी विवादित आराजी में अपने 7/27 हिस्से पर काबिज व दाखिल होकर काश्त करता चला आ रहा है। इसलिये मिन वादी विवादित आराजी में अपने आपको 7/27

लगातार

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

भाग का खातेदार काश्तकार घोषित कराने का व इस कदर राजस्व रिकॉर्ड में अपने नाम का इन्द्राज दुरूस्त कराने का अधिकारी है। किन्तु वादी किशनलाल [illegible] करवाने के लिए दिनांक 1.5.17 को पटवारी हल्का के पास गया तब गलत इन्द्राज की जानकारी हुई। तभी अनुसार तकरार किया देरी बाद दायर करना लाजिम आया। अतः वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण इस कदर आदेश फरमाया जावे कि ग्राम ख.नं. 301/1-16 बीघा वाकै ग्राम तुर्कियाबास तहसील कोटकासिम की जमाबन्दी सम्वत 2071-2074 में दर्ज प्रविष्टियों को इन्कार कर उसकी जगह वादी को 1/2 भाग का खातेदार काश्तकार घोषित किया जावे।

दावा दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को नोटिस रजिस्टर्ड तलबाना तामील किया गया। प्रतिवादी सं.1 ने अपना जवाब दावा पेश किया जिसमें अंकित किया कि पक्षकारों के मध्य आपसी विवाद है। राज्य सरकार का कोई हित निहित नहीं है। प्रतिवादी संख्या 3 लगा. 37 पाबन्द सूचना उपस्थित नहीं हुआ जिस पर इनको दिनांक 11.12.17 को एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई।

बहस विद्वान अधिवक्ता वादी सुनी गई। अपनी बहस में विद्वान अधिवक्ता ने अपने दावे में अंकित तथ्यों को दोहराया स्पष्ट कहा कि विवादित आराजी जमाबन्दी सम्वत 2029 में [illegible] व प्रतिवादी सं. 3 लगा. 5 के पिताजी व प्रतिवादीगण सं. 6 लगा. 28 के ससुर व दादाजी श्री मुन्ना पुत्र पूरना का 5/6 भाग व 1/6 हिस्सा कालीराम पुत्र मंगतूराम के नाम खातेदारी का अंकन हो रहा है। पूरना फौत होने पर उसके जायज वारिसान 3 लगा. [illegible] है। मुन्ना पुत्र पूरना के 10 वारिसान सुरजदेई पत्नि मुन्ना, [illegible] वादी मोहनलाल प्रतिवादी सं. 3 लगा. 5 व [illegible], [illegible], [illegible], प्रकाश, सोहनलाल हुए इस तरह विवादित आराजी में मुन्ना के 5/6 हिस्से में से कुल 10 वारिसानों को 1/12 हिस्सा हुआ जिस पर वे काबिज काश्त है। प्रतिवादी [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

Scanned by CamScanner

सुरजई के फौत हो जाने पर उसका 1/12 भाग उसके विधिक वारिसान को इन्तकाल दर्ज को स्वीकार किया गया। इसप्रकार मिन वादी का का हिस्सा 3/12 व 1/108 हिस्सा कुल 7/27 हिस्सा हुआ जिस पर मिन वादी शांति पुत्रिन कालिया काबिज है। और इसी अनुसार ~~सम्यक~~ रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे।

विद्वान अधिवक्ता की बहस पर मनन किया। पत्रावली एवं संलग्न दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। इन्तकाल सं. 308 जिसमें शांति, सरवन पुत्रियान मुन्गा ने मोहनलाल पुत्र मुन्गा के पक्ष में हक त्याग किया है जिसकी इन्तकाल सं. 308 में प्रविष्टि दर्ज है। सम्वत 2029 में मुन्गा पुत्र पूरना 5/6 कालीराम पुत्र मंगतुराम 1/6 अहीर सा. जौड़िया खातेदार अंकित हैं। जमाबन्दी सम्वत 2059-2062 में मु. सुरजई बेवा रोहिताश, नरपाल पुत्र मु. गिन्दोड़ी, प्रहलाद प्रसाद छोटेलाल, मोहनलाल, जयराम पुत्रान मिठो, प्रभाती, शांति, सरवन पुत्रियान मुन्गा सम्भाग अहीर सा. जौड़िया 5/6 हिस्सा कालीराम पुत्र मंगतु 1/6 हिस्सा कौम अहीर सा. जौड़िया खातेदार दर्ज हैं। जमाबन्दी सम्वत 2063-2066 व जमाबन्दी सं. 2067-2070 में इसी अनुसार पुनरावृत्ति हो रही है। जबकि शांति व सरवन ने मोहन लाल पुत्र मुन्गा के नाम रिलीजडीड की जिसका इन्तकाल सं. 308 दर्ज हुआ। लेकिन हाल जमाबन्दी में दोनों का हिस्सा दर्ज है। जो कानूनन किये जाने एवं वादी के हक में दुरुस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अत: वादीगण का वाद इस प्रकार डिक्री किया जाता है कि आराजी हाल खसरा नं. 301/1-16 बीघा वाके ग्राम तुर्कियाना तहसील कोटकासिम की जमाबन्दी सम्वत 2071-2074 में दर्ज प्रतिवादी को हटाकर उसके स्थान पर वादी को 7/27 भाग, प्रतिवादी सं. 08 को [illegible] भाग, प्रतिवादी सं. 4 व 5 को 2/108 भाग, प्रतिवादी सं. 6 लगा. 9 को 13/108 भाग, प्रतिवादी सं. 10 लगा. 15 को 13/108 भाग, प्रतिवादी सं. 16 व 17 को 13/108 भाग, प्रतिवादी सं. 18 लगा. 24 को 13/108 भाग, प्रतिवादी सं. 25 लगा. 29 को 13/108 व मोहनलाल प्रतिवादी सं. 30 लगा. 37 को 1/6 भाग का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इस अनुसार राजस्व कागजात

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे।

निर्णय आज दिनांक 16/04/2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

संशोधित

27/4/18 वादी अधिवक्ता को प्रार्थना पत्र पर पत्रावली पेश हुई। इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 16.4.18 में प्रतिवादी सं. 3 को 13/108 भाग, 6 को 13/108 भाग, 10 लगा. 15 को 13/108 भाग, 16 व 17 को 13/108 भाग, 18 लगा. 24 को 13/108 भाग 25 लगा. 28 को 13/108 भाग का आदेश जारी किया गया था। इसके स्थान पर सभी 13/108 भाग के स्थान पर 10/108 भाग पढ़ा जावे।

संशोधित

10.5.18 वादी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि खातेदार सं. 14 पर संजू लिखा है इसको स्थान पर संजू कुमार संशोधित किया जावे एवं खातेदार सं. 15 पर नीतू लिखा है इसको स्थान पर नीतू कुमार लिखित किया जावे। उसी अनुसार संशोधन किया जाता है।

Scanned by CamScanner